६. नाट्य

६.१ अभिनय का परिचय

कृतियों का अभिनय करना

सोना

भोजन करना

कोई भी मत रुठो
जाकर कहीं न बैठो
खेलें, करें, सीखें
जल्दी से अब उठो।।

हँसना

रूठना

रोना

- दैनिक जीवन की विविध कृतियों के अभिनय द्‌वारा नाट्य का विद्‌यार्थियों से प्राथमिक परिचय करवाएँ और कृति करवा लें।

६.२ वाचिक अभिनय

ऊँची आवाज में बोलना

धीमी आवाज में बोलना

मोबाइल पर बोलना

गुड़िया को लाड़–प्यार करना

सब्जीवाले का अभिनय

◆ उपर्युक्त चित्रों में कुछ वाचिक अभिनय बताए गए हैं, इसी तरह विद्यार्थियों से कक्षा में अभिनय करवा लें।

६.३ सहचर के साथ एकत्रित प्रस्तुतीकरण

पशुओं अथवा पक्षियों के बीच संवाद

- पक्षी अथवा पशु एक-दूसरे से क्या बातचीत करते होंगे, इसकी कल्पना करके संवाद तैयार करने के लिए कहें।
- अभिनय द्वारा कहानी बताने के लिए प्रोत्साहन दें।

६.४ कक्षा नाट्यगृह

परदा

रंगमंच और दर्शकगृह

६.५ नेपथ्य

मकान

पेड़

- कक्षा के विद्यार्थियों से परदा, रंगमंच और दर्शकगृह की ऊपरी ढंग से संरचना करवा लें।
- परिसर के घटकों का निरीक्षण करके विद्यार्थियों को दृश्य प्रस्तुत करने के लिए कहें।

6IXW3L